छलावा | लिव-इन रिलेशन का खुमार बन रहा खौफनाक दु:स्वप्न

इश्क का झांसा देकर उजाड़ी जा रही जिंदगियां

41 ने बिना फेरों बसाया घर, बनी पीड़िताएं, कसम-वादे निकले छलावा, मिली प्रताड़ना और बेवफाई

अजहर खान

जबलपुर। लव, लाइफ और लिव-इन का सपना देखने वाली युवतियों के लिए यह नया ट्रेंड जी का जंजाल बनता जा रहा है। मॉडर्न लाइफस्टाइल की आड़ में फरेब का गंदा खेल खेला जा रहा है। जिसे शिद्दत से चाहा, जिसके लिए समाज की दीवारें लांघीं और जिसके साथ एक ही छत के नीचे बिना फेरों के घर बसाया वही शख्स आखिर में धोखेबाज या जल्लाद निकल रहा है। दरअसल आजकल युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा लिव-इन का खुमार, युवतियों के लिए एक खौफनाक दु:स्वप्न बनता जा रहा है। प्यार का झांसा देकर उनकी जिंदगियां उजाड़ी जा रही है। डेढ़ साल में दर्ज आंकड़े गवाही दे रहे है कि लिव-इन रिलेशन में 41 ने बिना फेरों घर बसाया और पीड़िताएं बन गई। पार्टनर प्रताड़ना, धोखे और वेवफाई पर उतर आए। कसम-वादें सब छलावा निकले। किसी का पार्टनर धोखेबाज तो कोई जल्लाद निकला। इतना ही नहीं किसी ने हवस मिटाने तक साथ रखा तो किसी ने शादी की बात आई तो मारपीट, ब्लैकमेलिंग और फिर रातों-रात छोड़कर रफूचक्कर हो गया।

प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर कार्यालय जबलपुर में एक जवरी 2025 से 30 जून 2026 तक दर्ज 41 मामले चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि लिव-इन

रिलेशनशिप नए दौर में वफादारी पूरी तरह गायब है और इसकी जगह क्रूर प्रताड़ना ने ले ली है, भले ही रिश्तों को टूटने से बचाने वन स्टॉप सेंटर में काउंसलिंग की जा रही हो, रिश्तों में सुलह कराने प्रयास किए जा रहे है लेकिन आंकड़े बेहद चिंताजनक और चौंकाने वाले है। साथ ही लिव-इन रिलेशन में रह रही युवतियों, महिलाओं पर किए जा रहे जुल्म को बयां कर रहे है।

लिव-इन के मामलों में कानूनी कार्रवाई करना भी काफी चुनौतीपूर्ण होता है। शुरुआत में दोनों अपनी मर्जी से साथ रहते हैं, जिससे शुरुआती स्तर पर पुलिस सीधे दखल नहीं दे पाती। लेकिन जब बात हद से पार हो जाती है और प्रताड़ना के साथ-साथ दुष्कर्म ब्लैकमेलिंग होती है तब कई पीड़िताएं थानों के चक्कर काटती हैं जिसके बाद शिकायत मिलने पर कायमी होती है। तब तक युवती का भरोसा और मानसिक शांति पूरी तरह टूट चुकी होती है। कई तो पीड़िताएं सामाजिक लोक-लाज के डर से प्रताड़ना, धोखा सहती रहती हैं जो कभी उजागर नहीं हो पाते हैं।

भरोसे-मर्जी का रिश्ता ऐसे बन रहा जी का जंजाल

जिस पार्टनर के साथ जिंदगी बिताने के वादे किए गए, वही बाद में दर्द और प्रताड़ना का सबब बन रहा है। करियर और आजादी के नाम पर युवक-युवती एक छत के नीचे रहना शुरू करते हैं। युवक लगातार युवती को भरोसा देता है कि वे जल्द ही शादी के बंधन में बंधेंगे। कुछ महीने बीतते ही पार्टनर का व्यवहार बदलने लगता है। छोटी-छोटी बातों पर रोक-टोक और मारपीट शुरू हो जाती है। जब युवती शादी का दबाव बनाती है, तो युवक या तो मुकर जाता है।

मन भर जाने पर रंग बदल रहे पार्टनर विरोध पर प्रताड़ना, ब्लैकमेलिंग

लिव इन रिलेशन के मामलों की कुंडली खंगालने पर जो खौफनाक सच सामने आया है, वह किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह कंपा दे। शुरुआत बड़े-बड़े वादों और रोमांटिक लाइफ से होती है, जो सिर्फ शारीरिक शोषण का एक जरिया मात्र है। युवतियों को लगातार शादी का झांसा देकर शांत रखा जाता है और उनका आर्थिक व मानसिक शोषण किया जाता है। इतना ही नहीं मन भर जाने पर पार्टनर का रंग बदल जाता है। विरोध करने पर मारपीट, ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू होता है। धमकी और बेरहमी से मारपीट आम बात हो जाती है। जब पानी सिर से ऊपर चला जाता है, तो आशिक अपनी लिव-इन पार्टनर को रोता-बिलखता छोड़ रातों-रात लापता हो जाता है।

शहर का होगा चहुंमुखी विकास : संदीप

समीक्षा कर बोले, विकास कार्यों में लेटलतीफी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य शहर का चहुंमुखी विकास करना है। जब प्राधिकरण के तकनीकी कार्य और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे होंगे, तभी सामान्य जन इन योजनाओं का वास्तविक और अधिकतम लाभ उठा सकेंगे। जेडीए शहर को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। यह बातें जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन ने प्राधिकरण की प्रमुख शाखाओं संपत्ति शाखा, भू-अर्जन शाखा एवं तकनीकी शाखा के कार्यों की समीक्षा बैठक लेते हुए कहीं। बैठक के दौरान अध्यक्ष संदीप जैन ने प्रत्येक शाखा की वर्तमान प्रगति रिपोर्ट का बारिकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शहर के विकास और आम जनता से जुड़ी सभी योजनाओं को पूरी गंभीरता के साथ समय - सीमा में पूर्ण किया जाए। आम जनता से जुड़े संपत्ति हस्तांतरण, भू-आवंटन और तकनीकी स्वीकृति जैसे मामलों में किसी भी प्रकार का विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लंबित कार्यों का त्वरित निराकरण कर हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित किया जाए। अध्यक्ष संदीप जैन ने प्राधिकरण की चल रहे प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट किया कि सभी तकनीकी और निर्माण कार्यों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर ही पूर्ण किया जाए। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या लेटलतीफी को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय पर काम पूरा होने से ही प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचेगा।

समस्याओं, बाधाओं का त्वरित समाधान हो

समीक्षा के दौरान अध्यक्ष जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारी से कार्यों के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों और व्यवधानों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों या प्रशासनिक प्रक्रियाओं में जो भी समस्याएं या बाधाएं आ रही हैं, उनके त्वरित और स्थायी समाधान के लिए नीतियों में आवश्यक सुधार कर काम को और अधिक गति दी जा सके। प्राधिकरण की तकनीकी शाखा के अंतर्गत चल रहे एवं आगामी निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जेडीए अध्यक्षक ने ने शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और विकास कार्यों को नई गति देने के लिए अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए।

फील्ड में उतरकर देखे गुणवत्ता-गति

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यपालन यंत्री प्रशासकीय अधिकारी संपत्ति अधिकारी, भू-अर्जन अधिकारी और कनीकी शाखा के सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे, जिन्हें अध्यक्ष ने फील्ड पर जाकर कार्यों की गुणवत्ता और गति की निरंतर निगरानी करने निर्देश दिये।

तेज बारिश में भी मैदान पर डटी ननि टीम

जबलपुर। मानसून की तेज बारिश के बीच आम जनजीवन को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम की पूरी टीम मुस्तैदी के साथ मैदान में उतर गई है। इस संबंध में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि जलभराव की स्थिति से निपटने और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम द्वारा शहर के सभी 16 संभागों में कंट्रोल रूम को पूरी तरह से अलर्ट और एक्टिव मोड पर रखा गया है। निगमायुक्त अहिरवार ने बताया कि बारिश के दौरान जलभराव की संवेदनशील जगहों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में आज नगर निगम की टीम द्वारा मोतीनाले का धरातलीय भ्रमण किया गया। टीम ने नया पुल से लेकर गुलहला पुल तक की स्थिति का जायजा लिया।

सेवा और समर्पण का सम्मान

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि आपदा और भारी बारिश के इस दौर में अपनी परवाह किए बिना शहर को सुरक्षित रखने वाले इन स्वच्छता मित्रों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखें। अपनी कर्तव्यनिष्ठा से शहर को सफाई मित्रों की सेवा, लगन और समर्पण का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। कंट्रोल रूम के माध्यम से शहर के हर कोने पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति या जलभराव की सूचना पर तत्काल राहत दल को मौके पर भेजा जा सकेगा।

परिवारजनों को भी मिले मेडिकल सुविधाएं

जबलपुर, नवभारत। ऑल इंडिया रेलवेमैन्स फेडरेशन (एआईआरएफ) ने रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर मांग की है कि रेलवे कर्मचारियों के माता-पिता के साथ-साथ सास-ससुर को भी मेडिकल सुविधाएं दी जाएं। इस संबंध में डबलूसीआरईयू के महामंत्री व एआईआरएफ के असिस्टेंट जनरल सैक्रेट्री का. मुकेश गालव ने बताया कि एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने रेलवे बोर्ड को जो पत्र लिखा है, उसमें स्पष्ट किया है कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के नियमों के तहत बाकी केंद्रीय कर्मचारियों के माता-पिता सास-ससुर को मेडिकल लाभ मिलते हैं, रेलवे कर्मचारियों को भी सीजीएचएस लाभार्थियों के समान माना जाए और उनके माता-पिता या सास-ससुर को यह चिकित्सा लाभ दिया जाए।

तिलहरी आवासीय योजना के 288 मकानों का निर्माण होगा शुरू

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई, शहर के चहुंमुखी विकास, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में शहर के देवतुल्य नागरिकों की आवश्यकताओं एवं हितों को ध्यान में रखते हुए महात्वपूर्ण निर्णय लिये गए, जिसमें लंबे समय से लंबित तिलहरी आवासीय योजना के 288 मकानों का निर्माण प्रारंभ जो जहाँ है, जैसा है की स्थिति में पी.पी.पी. मोड पर पूरा करने का ठेका दे दिया गया है। इस निर्णय से न केवल आवासों का निर्माण कार्य तेजी से पूरा होगा, बल्कि नगर निगम को 18 करोड़ रुपये की बड़ी राजस्व राशि भी प्राप्त होगी। भू-जल स्तर को सुधारने के लिए शहर के 1500 चिन्हित स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जा रहा है। पर्यावरण को नई संजीवनी देने के लिए महापौर ने घोषणा की कि आगामी तीन माह के भीतर पूरे शहर में 11 लाख पौधे रोपे जाएंगे, जिससे शहर की हरियाली में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल डुमना नेचर पार्क में पी.पी.पी. मोड पर स्वीश टेंट पद्धति से 5-स्टार होटल और रेस्टोरेंट का संचालन किया जाएगा, जो जबलपुर में पर्यटन को नए आयाम देगा। नागरिकों और राहगीरों की सुविधा के लिए शहर में 12 नए अत्याधुनिक मॉडल के टॉयलेट्स का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। शहर के 50 प्रमुख स्थलों पर पी.पी.पी. मोड पर साइकिलिंग की व्यवस्था की जा रही है। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए राइट टाउन स्टेडियम की खाली भूमि पर भव्य ओलंपिक भवन का निर्माण किया जाएगा। शहर के 5 प्रमुख श्मशान घाटों का 6 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, विवेकराम सोनकर, अंशुल राघवेन्द्र यादव, रजनी कैलाश साहू, के साथ निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, मेयर इन काउंसिल के सचिव दिनेश प्रताप सिंह सहित सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, एवं विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

एक नजर में

सिर्फ पुराना रिकार्ड आधार नहीं, मौजूदा केस के साक्ष्य भी देखें : हाईकोर्ट

जबलपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ ने चोरी के एक मामले में आरोपित को नियमित जमानत देते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि केवल किसी आरोपी का लंबा आपराधिक रिकार्ड होने भर से जमानत स्वत-निरस्त नहीं की जा सकती। कोर्ट को यह भी देखना होगा कि वर्तमान मामले में उसके विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्य कितने मजबूत हैं। कोर्ट ने बैतूल निवासी अमन उर्फ चमन की पहली जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए उसे 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने के आदेश दिए। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता शंतनु तिवारी ने दलील दी कि आरोपी के विरुद्ध 17 पुराने मामले जरूर दर्ज हैं, लेकिन मौजूदा प्रकरण में अभियोजन का सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य पहचान का है। घटना देखने वाले गवाहों से पुलिस ने टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड ही नहीं कराई, जिससे आरोपी की पहचान संदेहास्पद हो गई। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के प्रभाकर तिवारी प्रकरण का हवाला देते हुए कहा कि मात्र आपराधिक इतिहास के आधार पर जमानत से इनकार नहीं किया जा सकता। राज्य ने जमानत का विरोध किया, लेकिन हाईकोर्ट ने पाया कि आरोपी 31 मार्च 2026 से जेल में है, मुकदमे के शीघ्र समाप्त होने की संभावना नहीं है व पहचान संबंधी साक्ष्य पर प्रथमदृष्टया प्रश्न खड़े होते हैं। इन परिस्थितियों में कोर्ट ने नियमित जमानत मंजूर कर ली।

रिमझिम फुहारों से भीग रहा शहर, घुली ठंडक

नवभारत, जबलपुर। मानसून की दस्तक के साथ शहर दिन-रात रिमझिम फुहारों से भींग रहा है। चौबीस घंटे में 20.9 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। सीजन में 101.2 मिमी बारिश का आंकड़ा पहुंच गया है। शुक्रवार को सुबह से देर शाम तक रूक-रूककर रिमझिम बारिश होती रही। दिन चढ़ने के बाद साथ बादलों और सूरज के बीच लुकाछिपी का खेल चला। लेकिन बादलों के सामने सूरज की नहीं चली। घने काले बादलों ने आसमान में डेरा ड ाला हुआ था। रूक-रूककर कर रिमझिम फुहारें बरसती रही। बीते दो दिनों से रिमझिम बारिश का दौर चलने से ठंडक भी घुल गई है। मौसम विभाग की माने तो पांच जुलाई तक जबलपुर जिले में वर्षा 10-15 मिमी प्रतिदिन होने की संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 5 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री पर पहुंच गया जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। सुबह के वक्त आद्रता 98 और शाम को 96 प्रतिशत दर्ज की गई। पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली।

महिला पर चाकू से हमला

नवभारत, जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत मढ़ई में सब्जी लेने बाजार गई महिला को तीन बदमाशों ने घेर लिया। बदमाशों ने महिला के पति की कमाई का हवाला देकर शराब पीने के लिए 500 की अड़ीबाजी की। जब महिला ने पैसे देने से इंकार किया, तो बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, कोलाना मोहल्ला निवासी वर्षा कोल (25), घर का सामान और सब्जी लेने के लिए मढ़ई ऑटो स्टैंड के पास गई थी। इसी दौरान वहां पहले से घात लगाकर बैठे इलाके के तीन शातिर युवक राज कोल, अनुज कोल और अभिषेक कोल ने उसे जबरन रोक लिया। आरोपियों ने महिला पर रौब झाड़ते हुए कहा, तुम्हारा पति कंपनी में काम करता है और बहुत पैसे कमाता है, हमें शराब पीने के लिए 500 दो।जब वर्षा कोल ने बदमाशों के आगे झुकने से मना कर दिया और पैसे देने से साफ इंकार किया, तो तीनों आरोपी आपा खो बैठे। आरोपी राज कोल ने अपनी जेब से धारदार चाकू निकाला और वर्षा पर हमला कर दिया। चाकू सीधे महिला के बाएं पैर की जांघ में जा धंसा, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी।इसी बीच बाकी दो आरोपियों अनुज और अभिषेक ने भी पीड़िता को घेर लिया और लात-मुक्कों से उसकी बेरहमी से पिटाई की।

यूट्यूब पर गाना सुनते ही हैक हुआ मोबाइल, खाते से 1.90 लाख पार

नवभारत, जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत शंकर नगर निवासी एक युवक का साइबर ठग ने मोबाइल हैक कर उसके बैंक खाते में सेंध लगा दी। ठग ने यूट्यूब पर गाना सुनते समय पीड़ित का फोन पूरी तरह रिमोट एक्सेस पर ले लिया और किस्तों में कुल 1 लाख 90 हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शंकर नगर बड़ा रांझी निवासी नवीन गुप्ता (31) अपने मोबाइल पर यूट्यूब पर गाने सुन रहा था। इसी दौरान अचानक स्क्रीन पर मोबाइल अपडेट होना दिखने लगा और फोन बंद हो गया। करीब 10 मिनट बाद फोन दोबारा चालू हुआ। ठगों ने पीड़ित को संभलने का मौका नहीं दिया। फोन दोबारा अपडेट दिखाकर बंद हुआ और 15-20 मिनट बाद चालू हुआ। इसके बाद फोन इसी तरह बंद होकर 15 मिनट बाद चालू हुआ। नवीन को लगा कि कंपनी का कोई सॉफ्टवेयर अपडेट आया है, जब पीड़ित ने अपने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का खाता चेक किया, तो उसे ठगी का पता चला। हैकर्स ने फोन बंद होने के दौरान बैंक से जुड़े सारे अलर्ट्स और ओटीपी को ब्लॉक कर दिया था और खाते से 1,90,000 ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए थे।

डीजे संचालक से 1.83 लाख की साइबर ठगी

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक युवक की गाढ़ी कमाई पर साफ हाथ कर दिया। शातिर ठग ने खुद को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का कर्मचारी बताकर डीजे संचालक के खाते से दो बार में कुल 1,83,343 उड़ा लिए। खमरिया पुलिस के अनुसार, ग्राम घाना के रहने वाले शैलेंद्र श्रीवात्री (32) खमरिया में डीजे साउंड का व्यवसाय करते हैं। उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को एसबीआई बैंक का कर्मचारी बताया। उसने शैलेंद्र से कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाई जा रही है, जिसके लिए एक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। ठग ने पीड़ित के मोबाइल पर एक संदिग्ध लिंक भेजा और उस पर क्लिक कर दिए गए निर्देशों का पालन करने को कहा। इसके तुरंत बाद आरोपी ने शैलेंद्र से मोबाइल पर आया ओटीपी मांग लिया। झांसे में आकर पीड़ित ने जैसे ही ओटीपी बताया, कुछ ही देर में उनके खमरिया स्थित एसबीआई बैंक खाते से दो बार में कुल 1,83,343 कट गए।

भतीजी को कंधे पर बैठा नदी में नहा रहा युवक डूबा

नवभारत,जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत इंद्राना पिपरिया में गौर नदी के घाट पर मासूम भतीजी को कंधे पर बैठाकर नदी में नहा रहे एक युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। हालांकि बच्ची को सुरक्षित बचा लिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम इंद्राना पिपरिया निवासी राजकुमार उइके दोपहर करीब 2:30 बजे अपने छोटे भाई राजेश उइके (35) और अपनी बेटी रिया उइके के साथ गांव के पास ही स्थित गौर नदी घाट पर नहाने गए थे। नहाते समय राजेश उइके अपनी भतीजी रिया को लाड-प्यार में कंधे पर बैठाकर पानी में आगे बढ़ने लगा। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने या अंदाजा न मिल पाने के कारण दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

भाई ने बेटी को खींचा, आंखों के सामने ओझल हुआ भाई

सामने ही नहा रहे राजकुमार उइके ने जब भाई और बेटी को डूबते देखा, तो वह तुरंत उन्हें बचाने के लिए लपका। राजकुमार ने तत्परता दिखाते हुए अपनी बेटी रिया को तो पानी से खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लेकिन तब तक भाई राजेश उइके गहरे पानी में समा चुका था। राजकुमार ने पानी में भाई को काफी तलाशने की कोशिश की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। हालांकि बाद में राजेश उइके का शव नदी से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। दर्दनाक हाद से के बाद से मृतक के परिवार और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

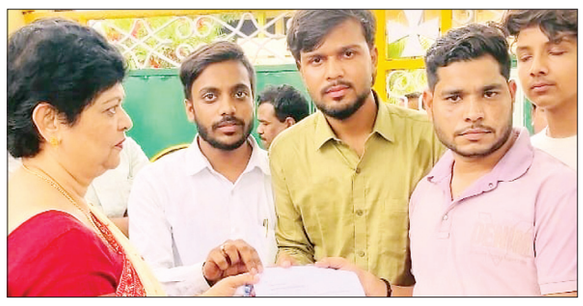

एनएसयूआई का क्राइस्ट चर्च स्कूल में प्रदर्शन

बच्चे को सांप काटने का मामला दोषियों पर कार्रवाई की मांग

नवभारत, जबलपुर। तैय्यब अली चौक स्थित क्राइस्ट चर्च स्कूल में विगत दिवस बच्चे को सांप काटने का मामला गरमा गया है। शुक्रवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच कराने एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

छात्रनेता अनुराग शुक्ला व शफी खान ने कहा कि स्कूल में शिक्षकों द्वारा मासूम बच्चों से घास कटवाई जा रही थी जो खुला उल्लंघन है। बरसात के मौसम में जहरीले सांप-कीड़ों का खतरा जानते हुए भी बच्चों को बिना सुरक्षा उपकरण के झाड़ियों में भेजना आपराधिक लापरवाही है। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चे की जान जोखिम में डाली है। उन्होंने कहा कि विद्यालय जैसी संवेदनशील जगह पर इस प्रकार की घटना अत्यंत गंभीर है। विद्यार्थियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन की होगी।

प्रज्ञाधाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने रौंदा, चार गंभीर, मेडिकल रेफर

नवभारत, जबलपुर। कटंगी थाना अंतर्गत प्रज्ञाधाम मोड़ पर शिवलिंग के दर्शन कर पैदल बस स्टैंड लौट रहे श्रद्धालुओं को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पनागर निवासी महेंद्र सिंह लोधी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह पिता कल्लू सिंह लोधी, मोहल्ले के बिनिल कुमार, अशोक कुमार, सोने लाल गडारी और धर्मेंद्र कुमार के साथ बस में सवार होकर दोपहर के समय प्रज्ञाधाम कटंगी घूमने आए थे। परिसर में स्थित शिवलिंग के दर्शन और भ्रमण करने के बाद सभी लोग शाम के समय पैदल ही वापस कटंगी बस स्टैंड की ओर लौट रहे थे। शाम करीब 6:40 बजे जब सभी लोग प्रज्ञाधाम के पास मोड़ पर पहुंचे, तभी गुबरा की तरफ से आ रहे ट्रक क्रमांक एम एच 06 जी 6391 के चालक ने वाहन को अत्यंत तेज गति और लापरवाही पूर्वक चलाते हुए सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कलू सिंह, अशोक कुमार, धर्मेंद्र कुमार और सोने लाल उछलकर सड़क किनारे जा गिरे। टक्कर लगने और गिरने के कारण कलू सिंह के दाहिने पैर और पूरे शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं अशोक कुमार, धर्मेंद्र कुमार और सोने लाल भी हाथ-पैर और सिर में चोट लगने से लहूलुहान हो गए। इसके बाद आरोपी चालक ट्रक को तेजी से भगाते हुए जबलपुर की तरफ फरार हो गया।

कार्यवाही | प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 6 तक की गई गहन जांच

विशेष अभियान के तहत स्टेशन से हटाए गए 15 भिक्षुक

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर रेलवे स्टेशन को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल ने स्टेशन परिसर में विशेष अभियान चलाया। दोपहर 4 बजे से रात 12 बजे तक चले इस अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 6 तक गहन जांच और निगरानी की गई। कार्रवाई के दौरान यात्रियों से भीख मांगकर असुविधा उत्पन्न करने वाले कुल 15 भिखारियों की पहचान कर उन्हें रेलवे स्टेशन परिसर से हटाकर रेलवे सीमा के बाहर किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर में अनधिकृत गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, यात्रियों को निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना तथा स्टेशन के वातावरण को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाए रखना रहा।

दी गई चेतावनी

रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्तियों को दोबारा स्टेशन परिसर में भीख नहीं मांगने, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न पहुंचाने के संबंध में समझाइश भी दी गई। रेलवे प्रशासन का कहना है कि स्टेशन परिसर में स्वच्छता, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे। प्रशासन का मानना है कि लगातार की जाने वाली इस तरह की कार्रवाई से स्टेशन परिसर में अवांछित गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और यात्रियों को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर यात्रा अनुभव मिल सकेगा।